Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-304

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

M.A. Darshan, Semester : Third
दर्शन : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ
सर्वदर्शन संग्रह-1

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. भारतीय दर्शनों के इतिहास में भाष्यों के महत्व पर चर्चा कीजिए।
2. पाणिनि दर्शन के आलोक में शब्द के नित्यत्व को रेखांकित कीजिए।
3. पाणिनीय दर्शन का प्रयोजन क्या है तथा इससे अभ्युदय की प्राप्ति किस प्रकार सम्भव है?
4. प्रत्यभिज्ञा दर्शन के सिद्धान्तों की विस्तृत व्याख्या करें।
5. भारतीय दर्शन के इतिहास पर लघु निबन्ध लिखें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. मध्वाचार्य जी को किन नामों से जाना जाता है तथा उन्हें किन देवता का अवतार माना जाता है?
7. मध्वाचार्य जी के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डालें।
8. महर्षि पाणिनी जी के विषय में तथा उनकी रचनाओं के सम्बन्ध में विवरण दें।
9. प्रत्यभिज्ञा दर्शन के सुप्रसिद्ध आचार्यों का उल्लेख करते हुए प्रत्यभिज्ञा दर्शन का मूल सिद्धान्त लिखें।
10. भारतीय दर्शन के इतिहास में वेदों और उपनिषदों के महत्व को रेखांकित कीजिए।
11. प्रत्यभिज्ञा दर्शन व अन्य शैव दर्शनों में भेद पर टिप्पणी करें।
12. द्वैतवाद से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट करें।

----------X----------